YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 03 & 04.03.2017

INDIAN EXPRESS

YMCA, FARIDABAD (ELECTED AS PRESIDENT)

Prof. Dinesh Kumar, Vice-Chancellor of YMCA University of Science and Technology, Faridabad has been elected as President of the Section of Material Science for 105th Indian Science Congress for 2017-18. Prof. Dinesh Kumar said that materials science is a relatively new and very broad field. Being a President, he would work for the promotion of research based on creating materials that would result in true innovations and lead materials sciences through this in the country. He had been conferred with the prestigious Indian Science Congress Association's Homi Bhabha Memorial Award for year 2015 which was presented by the Prime Minister Sh. Narendra Modi during the 103rd Indian Science Congress held at University of Mysore for his contribution to the development of science and technology in the country, specifically in the area of Microelectronics Engineering and Semiconductor Physics.

TS, CELEBRATIONS

The Indian EXPRESS epaper editions Fri, 03 March epaper.indiane

AMAR UJALA

वाईएमसीए के एकेडमिक सलाहकार को पुरस्कार

बल्लभगढ़ (ब्यूरो)। इंडियन साइंस कांग्रेस ने वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के एकेडमिक सलाहाकार प्रो. ओमप्रकाश अरोड़ा को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में शोध के लिए जवाहरलाल नेहरू शताब्दी पुरस्कार दिया है। प्रो. अरोड़ा को यह पुरस्कार कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रो. पीपी माथुर ने दिया। इस सम्मान के रूप में प्रो. अरोड़ा को अवॉर्ड व प्रशस्ति पत्र दिया गया। प्रो. अरोड़ा को मिले पुरस्कार पर वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश अग्रवाल, कुलसचिव संजय शर्मा सहित अन्य स्टाफ ने हर्ष जताया है। कुलसचिव संजय शर्मा का कहना है कि प्रो. अरोड़ा का रसायन विज्ञान में अतुलनीय योगदान रहा है।

NEWS CLIPPING: 03 & 04.03.2017

DAINIK BHASKAR

वाईएमसीए 25 लाख की लागत से रसायन और पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला शुरू

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने रसायन तथा पर्यावरण विज्ञान विषय की प्रयोगशाला का शुभारंभ गुरुवार को किया। इसके शुरू होने से रसायन तथा पर्यावरण विज्ञान में एमएससी कर रहे विद्यार्थियों को शोध कार्यों में लाभ होगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने काफी कम समय में अत्याधुनिक प्रयोगशाला विकसित करने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि शोध कार्यों के लिए जरूरी सभी अत्याधुनिक उपकरण इस प्रयोगशाला में उपलब्ध कराए जाएंगे। मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार के अनुसार प्रयोगशाला को विकसित करने पर लगभग 25 लाख रुपए खर्च हुए हैं। इस मौके पर संकायाध्यक्ष प्रो. संदीप ग्रोवर, विश्वविद्यालय के अकादमिक सलाहकार प्रो. ओपी अरोड़ा, कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा आदि मौजूद थे।

फरीदाबाद. वाईएमसीए कॉलेज में प्रयोगशाला का अवलोकन करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व अन्य।

NEWS CLIPPING: 03 & 04.03.2017

DAINIK JAGRAN

वाईएमसीए विवि को मिली नई प्रयोगशाला

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार बर्नर जलाकर प्रयोगशाला की कार्य प्रणाली की जानकारी हासिल करते हुए • जागरण

जासं, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने रसायन विज्ञान तथा पर्यावरण विज्ञान विषय की नई प्रयोगशालाओं को विद्यार्थियों को समर्पित किया। नई प्रयोगशालाओं के शुरू होने से रसायन विज्ञान तथा पर्यावरण विज्ञान में मास्टर ऑफ साइंस विद्यार्थियों को शोध कार्य में लाभ होगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मानविकी एवं विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों नई प्रयोगशाला के लिए बधाई दी तथा काफी कम समय में अत्याधुनिक प्रयोगशाला विकसित करने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान तथा संबंध क्षेत्रों में सार्थक तथा मूल शोध कार्यों के लिए जरूरी सभी अत्याधिक उपकरण प्रयोगशाला में उपलब्ध करवाये जाएंगे। मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा रसायन विज्ञान तथा पर्यावरण विज्ञान विषयों में एमएससी पाठ्यक्रम 55 व 31 सीटों के साथ मौजूदा शैक्षणिक सत्र से ही शुरू किए गए हैं और इन विषयों के लिए शोध कार्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रयोगशालाएं विकसित की गई हैं। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. संदीप ग्रोवर, विश्वविद्यालय के अकादमिक सलाहकार प्रो. ओ.पी. अरोड़ा, कुल सचिव डॉ. एस. के. शर्मा के अलावा विभाग के सभी संकाय सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित थे।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 03 & 04.03.2017

NAVBHARAT TIMES

नई लैब से होगी शोध कार्य में सुविधा

■ वस, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. दिनेश कुमार ने रसायन विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान विषय की नई प्रयोगशालाओं को स्टूडेंट्स को समर्पित किया गया। नई प्रयोगशालाओं के शुरू होने से रसायन विज्ञान तथा पर्यावरण विज्ञान में एमएससी स्टूडेंट्स को शोध कार्य में लाभ होगा। इस अवसर पर वाइस चांसलर प्रो. दिनेश कुमार ने मानविकी एवं विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों व स्टूडेंट्स नई प्रयोगशाला के लिए बधाई दी। उन्होंने डिपार्टमेंट के सदस्यों व स्टूडेंट्स को आश्वासन दिया कि रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान तथा संबंध क्षेत्रों में मूल शोध कार्यों के लिए उपकरण प्रयोगशाला में उपलब्ध करवाये जाएंगे। मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार, प्रो.संदीप ग्रोवर, यूनिवर्सिटी के अकादमिक सलाहकार प्रो. ओ.पी. अरोड़ा, रजिस्ट्रार डॉ.एसके शर्मा के अलावा विभाग के सभी संकाय सदस्य और स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

AMAR UJALA

वाईएमसीए के छात्रों को मिलीं नई प्रयोगशालाएं

बल्लभगढ़ (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बृहस्पतिवार को रसायन विज्ञान तथा पर्यावरण विज्ञान विषय की नई प्रयोगशालाओं को समर्पित किया। नई प्रयोगशालाओं के शुरू होने सेविद्यार्थियों को शोध कार्य में लाभ होगा। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान तथा संबंध क्षेत्रों में सार्थक तथा मूल शोध कायोरजं के लिए जरूरी सभी अत्याधिक उपकरण प्रयोगशाला में उपलब्ध कराए जाएंगे। संकायाध्यक्ष प्रो. संदीप ग्रोवर, अकादमिक सलाहाकार प्रो. ओपी अरोड़ा, कुलसचिव डा. संजय शर्मा मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 03 & 04.03.2017

PUNJAB KESARI

वाईएमसीए विवि के छात्रों को मिली नई लैब

फरीदाबाद, 2 मार्च (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने रसायन विज्ञान तथा पर्यावरण विज्ञान विषय की नई प्रयोगशालाओं को विद्यार्थियों को समर्पित किया।

नई प्रयोगशालाओं के शुरू होने से रसायन विज्ञान तथा पर्यावरण विज्ञान में एमएससी विद्यार्थियों को शोध कार्य में लाभ होगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मानविकी एवं विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों को नई प्रयोगशाला के लिए बधाई दी तथा काफी कम समय में अत्याधुनिक प्रयोगशाला विकसित करने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान तथा इनसे संबंधित क्षेत्रों में सार्थक तथा मूल शोध कार्यों के लिए जरूरी सभी अत्याधुनिक उपकरण प्रयोगशाला में उपलब्ध करवाये जायेंगे।

प्रो. राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा रसायन विज्ञान तथा पर्यावरण विज्ञान विषयों में एमएससी पाठ्यक्रम क्रमशः 55 व 31 सीटों के साथ मौजूद शैक्षणिक सत्र से ही शुरू किए गए हैं और इन विषयों के लिए शोध कार्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रयोगशालाएं विकसित की गई हैं। दोनों प्रयोगशालाओं को अल्ट्रावायलेट विजिबल स्पेक्ट्रोस्कोपी, ईसी/पीएच मीटर, फ्लेम फोटो मीटर तथा हाई वॉल्यूम सैम्पलर में 25 लाख रुपये की लागत आई है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 03 Ma
epaper.pun

NEWS CLIPPING: 03 & 04.03.2017

DAINIK JAGRAN

वाइएमसीए के छात्रों की बनाई कार बनी अव्वल

हर तरह के रास्तों पर चलने वाली कार बनाकर राष्ट्रस्तरीय रेसिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने वाले छात्रों के साथ वाइमसीए विवि के कुलपति प्रो दिनेश कुमार।

जासं, फरीदाबाद : वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा तैयार कार को मध्यप्रदेश के इंदौर में हुई राष्ट्रीय स्तर की रेसिंग प्रतियोगिता बाजा एसएई 2017 में पहला राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। विश्वविद्यालय के 25 इंजीनियरिंग छात्रों ने हर तरह के रास्तों पर चलने में सक्षम कार बनाई है। यह प्रतियोगिता 24 फरवरी से 2 मार्च के बीच हुई थी। विश्वविद्यालय की टीम को प्रतियोगिता में वाहन निर्माण के नवीनतम अनुसंधान और लागत मूल्यांकन श्रेणी पुरस्कार स्वरूप एक लाख 20 हजार रुपये दिए गए। कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने विजेता टीम के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। 5.9 लाख रुपये की लागत से बने इस वाहन को डिजाइन करने में विद्यार्थियों को नौ महीने का समय लगा। रेसिंग टीम का हिस्सा रहे साहिल ने बताया कि प्रतियोगिता काफी चुनौतीपूर्ण रही, जिसमें देशभर से इंजीनियरिंग कालेज की 413 टीमों ने हिस्सा लिया। पहले चरण के बाद 150 टीमों को शॉर्टलिस्ट किया गया था।

NEWS CLIPPING: 03 & 04.03.2017

DAINIK BHASKAR

इनोवेशन | प्रतियोगिता में वाहन निर्माण के नवीनतम अनुसंधान और लागत मूल्यांकन श्रेणी में वाईएमसीए के छात्रों को मिला पुरस्कार

सभी तरह के मैदानों पर चलने में सक्षम वाहन को मिला 1 लाख 20 हजार रुपए का इनाम

इंजीनियरिंग के 25 छात्रों ने नौ महीने में तैयार किया रेसिंग द्वारा डिजाइन एवं विकसित ऑल टरेन व्हीकल

इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता बाजा एसएई 2017 में मिला पहला पुरस्कार

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

फरीदाबाद. वाईएमसीए के छात्र जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार किए प्राप्त।

वाईएमसीए साइंस व टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के छात्रों द्वारा तैयार मैकेनेक्सट रेसिंग द्वारा डिजाइन एवं विकसित ऑल टरेन व्हीकल (सभी तरह के मैदानों पर चलने में सक्षम वाहन) को मध्यप्रदेश के इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता बाजा एसएई 2017 में पहला पुरस्कार मिला है। प्रतियोगिता में वाहन निर्माण के नवीनतम अनुसंधान और लागत मूल्यांकन श्रेणी का यह पुरस्कार मिला है। यह वाहन 25 इंजीनियरिंग के छात्रों ने तैयार किया है। पुरस्कार स्वरूप एक लाख 20 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई है।

413 में से 150 टीमों को किया गया था शॉर्टलिस्ट

मैकेनेक्सट रेसिंग टीम का हिस्सा रहे साहिल डिम्बला ने बताया कि देशभर से इंजीनियरिंग कालेज की 413 टीमों ने हिस्सा लिया था। इसमें से 150 टीमों को शॉर्टलिस्ट किया गया था। यूनिवर्सिटी की मैकेनेक्सट रेसिंग टीम ने नवीनतम अनुसंधान और लागत मूल्यांकन श्रेणी का पहला पुरस्कार हासिल किया। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. दिनेश कुमार ने विजेता टीम के छात्रों को शुभकामनाएं दी। इस परियोजना से जुड़े सभी संकाय सदस्यों और छात्रों के प्रयासों की सराहना की। इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा ऑटोमोटिव और मोटरस्पार्ट इंजीनियर्स को ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग को सही ढंग से समझने तथा व्यावहारिक व औद्योगिक मानकों के अनुरूप कार्य अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डा. एमएल अग्रवाल और कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा ने भी टीम के सदस्यों को शुभकामनाएं दी। परियोजना में छात्रों के मार्गदर्शक डॉ. नवदीप मल्होत्रा और डॉ. वासुदेव मल्होत्रा रहे।

फंड इकट्ठा करने में पूर्व छात्रों ने की मदद

वाहन बनाने के लिए पूर्व छात्र अमित शर्मा, संजीव अग्रवाल, रविन्द्र वधवा, सुशील अरोड़ा, अमरीश भाटिया और अनिल मदान ने मदद की। यूनिवर्सिटी की मैकेनेक्सट रेसिंग टीम को आरबीएम केड द्वारा प्रायोजित किया गया। यह प्रतियोगिता सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स इंडिया, ऑटोमोटिव रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और ऑटोमोटिव कंपनियों के सहयोग से कराई जाती है।

बनने में लगे 9 माह, खर्च हुए 5.9 लाख रुपए

वाहन को डिजाइन करने और प्रतियोगिता के अनुरूप पूरी तरह से तैयार करने में छात्रों को 9 महीने का समय लगा। इस पर 5.9 लाख रुपए की लागत आई। इस राशि को उपलब्ध कराने में यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी कल्याण कोष और भूतपूर्व छात्र संघ ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। यह वाहन सभी तरह के मैदानों पर चलने में सक्षम है। यह काफी हल्का है। वाहन को प्रतियोगिता की जरूरत, नियमों और कार्य दक्षता के अनुरूप डिजाइन किया गया था। इसके लिए छात्रों ने खुद गियर बॉक्स डिजाइन किया था। उन्होंने सस्पेंशन डिजाइन और स्टीयरिंग अनुपात में बदलाव किए, जिसका प्रभाव वाहन की कार्य क्षमता पर दिखाई देता है। यह वाहन आपदा प्रबंधन एवं कृषि कार्यों के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है।

AMAR UJALA

वाईएमसीए इंजीनियर्स ने जीता पुरस्कार

बल्लभगढ़ (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की टीम ने इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 'बाजा एसएई' में पहला पुरस्कार हासिल किया है।

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 03 & 04.03.2017

PUNJAB KESARI

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के छात्र प्रथम पुरस्कार के साथ।

वाईएमसीए के छात्रों ने वाहन बना जीता ईनाम

फरीदाबाद, 3 मार्च (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विविद्यालय, फरीदाबाद के 25 प्रतिभावान इंजीनियरिंग छात्रों की 25 सदस्यीय टीम मैकनेक्स्ट रेसिंग द्वारा डिजाइन एवं विकसित ऑल टेरेन व्हीकल (सभी तरह के मैदानों पर चलने में सक्षम वाहन) ने मध्यप्रदेश के इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता बाजा एसएई 2017 में पहला पुरस्कार हासिल किया है।

विश्वविद्यालय की टीम को प्रतियोगिता में वाहन निर्माण के नवीनतम अनुसंधान और लागत मूल्यांकन श्रेणी पुरस्कार स्वरूप एक लाख 20 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विजेता टीम के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है तथा इस परियोजना से जुड़े सभी संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में क्षमता की कोई कमी नहीं है और विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव सहयोग देगा। इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा ऑटोमोटिव और मोटरस्पार्ट इंजीनियर्स को ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग को सही ढंग से समझने तथा व्यावहारिक व औद्योगिक मानकों के अनुरूप कार्य अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है और ऐसे प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग की बारीकियों को सही ढंग से समझने में भी मदद करते हैं। ये उस तरह के अनुभव होते हैं जो विद्यार्थियों को कक्षा में हासिल नहीं हो सकते। मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ एमएल अग्रवाल तथा कुलसचिव डॉ. एस. के. शर्मा ने भी टीम के सदस्यों को शुभकामनाएं दी।

परियोजना में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक रहे डॉ. नवदीप मल्होत्रा तथा डॉ. वासुदेव मल्होत्रा ने एटीवी वाहन की विशिष्टताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वाहन विद्यार्थियों की सृजनात्मकता का उदाहरण है जो कि हल्का, कारगर तथा उपयोग में भी काफी सुविधाजनक है। वाहन को प्रतियोगिता की जरूरत, नियमों तथा कार्य दक्षता के अनुरूप डिजाइन किया गया था। बाजार से डिजाइन गियरबॉक्स के स्थान पर खुद का डिजाइन व तैयार किया गियरबॉक्स प्रयोग किया। उन्होंने सस्पेंशन डिजाइन और स्टीयरिंग अनुपात में बदलाव किये, जिसका प्रभाव क्षमता पर दिखाई देता है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat, 04 March 2017
epaper.punjabkesari.in//c/17327986

NEWS CLIPPING: 03 & 04.03.2017

THE TRIBUNE

Haryana Diary

YMCA varsity techies adjudged top innovators

The prize-winning ATV designed and developed by YMCA students. TRIBUNE PHOTO

Faridabad: A 25-member team of mechanical engineering students of the YMCA University won a national-level competition for designing and developing all-terrain vehicle (ATV). Vice-Chancellor Dinesh Kumar said though the varsity had been taking part in such competitions for the past three years, it was for the first time that its team won the first prize in any category. The competition, 'BAJA–SAE-2017', was organised by the Society of Automotive Engineers at Indore from February 15 to 20, he said, adding that the team was awarded a cash prize of Rs 1.20 lakh in the categories of innovation and cost evaluation. Teams from universities across the world designed and built small off-road cars at the event, which had six categories. Sahil Dembla, the captain of the team, said this year, they worked extensively on improving the features of the ATV. The overall weight of the vehicle had been reduced by 50 kg. Instead of depending on gearboxes available in the market, his team designed and fabricated it to make the ATV light, compact and agile. He said changes in suspension and introduction of variable steering ratio helped them win the first prize in the innovation category.

(CONTRIBUTED BY BIJENDRA AHLAWAT,

The Tribune (Haryana Edition) Mon, 06 March 2017
epaper.tribuneindia.com/c/173290